हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, सोमवार, 7 जुलाई 2025

11 भाजपा ने दी डॉ. मुखर्जी को भावभीनी श्रद्धांजलि

12 शहीद रामफल की याद में हुई कबड्डी प्रतियोगिता

खबर संक्षेप

कल्स्टर कबड्डी प्रतियोगिता 11 से

बहादुरगढ़। सैनिक नगर स्थित बीएसएम स्कूल में 11 से 13 जुलाई तक सीबीएसई क्लस्टर 15 कबड्डी चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 वर्ग की टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह 11 जुलाई को होगा। इस प्रतियोगिता में विभिन्न जिलों के 2200 से ज्यादा विद्यार्थी भाग लेने का अनुमान है। प्रतियोगिता की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

बाइक चोरी का आरोपी जेल भेजा, केस दर्ज

बहादुरगढ़। सेक्टर-6 थाना पुलिस ने बाइक चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी से चोरीशुदा बाइक बरामद कर ली गई है। उसे जेल भेज दिया गया। दरअसल, बामड़ोली के निवासी सागर ने पुलिस को शिकायत दी थी कि उसने बैंक के बाहर बाइक खड़ी की थी। कोई अज्ञात शख्स चुरा ले गया। इस मामले में जांच करते हुए पुलिस ने अब आरोपी को काबू किया है। उसकी पहचान विशाल के रूप में हुई है। विशाल सैनिक नगर का रहने वाला है।

बेरी से युवक लापता पुलिस को दी शिकायत

झज्जर। कस्बा बेरी के बैठान पाना से एक युवक के लापता होने की शिकायत परिजनों द्वारा पुलिस को दी गई है। मामले के जांच अधिकारी देवेंद्र सिंह ने बताया कि बैठान पाना निवासी करीब 33 वर्षीय अनिल कुमार पुत्र सतबीर सिंह बीती चार जुलाई से घर से लापता है। शिकायत के आधार पर कार्यवाई करते हुए मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस द्वारा युवक की तलाश की जा रही है।

जिला मुख्यालय व उपमंडल स्तर पर आज लगेंगे समाधान शिविर

झज्जर । सोमवार को जिला मुख्यालय व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिला स्तरीय समाधान शिविर लघु सचिवालय के कॉन्फ्रेंस रूम में लगेगा, जहां डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल द्वारा नागरिकों की विभिन्न प्रकार की शिकायतों और समस्याओं को सुनेंगे। वहीं, उपमंडल स्तर पर बहादुरगढ़, बादली व बेरी लघु सचिवालयों में समाधान शिविर आयोजित होंगे। जहां संबंधित एसडीएम द्वारा नागरिकों की शिकायतों को सुनते हुए उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। इस मौके पर प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। अधिकारी मौके पर ही शिकायतें सुनकर उनका समाधान करेंगे।

हरियाणा ओलंपिक खेलों की तैयारी शुरू प्रदेश में खिलाड़ियों का तैयार हो रहा डाटा

■ हरियाणा ओलंपिक संघ के अध्यक्ष मीनू बेनीवाल के अनुसार जिलावार स्टेडियम और खेल सुविधाओं का लिया जा रहा जायजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

हरियाणा ओलंपिक संघ की एजीएम के बाद अब सालों से लटके हरियाणा ओलंपिक खेलों की तैयारी शुरू हो गई है। इसके लिए जिलावार खिलाड़ियों का डाटा तैयार किया जा रहा है, ताकि हरियाणा ओलंपिक खेलों के वक्त खिलाड़ियों की सुविधा और अकोमेडेशन की प्रॉपर व्यवस्था हो सके। यह जानकारी हरियाणा ओलंपिक संघ के अध्यक्ष मीनू बेनीवाल ने दी।

खेलों को लेकर चर्चा

हरियाणा तैराकी संघ के महासचिव अनिल खत्री ने बहादुरगढ़ के देशी ढाणी रेस्टोरेंट पर पहुंचे मीनू बेनीवाल का स्वागत किया। इस दौरान हरियाणा ओलंपिक खेलों को लेकर चर्चा हुई। मीनू बेनीवाल ने बताया कि जिलावार खेल सुविधाओं और स्टेडियमों की स्थिति भी जांची जा रही है, ताकि जहां सुविधाएं बेहतर मिलें, वहां उस खेल का आयोजन करवाया जा सके। उन्होंने बताया कि जूनियर गेम्स के लिए लड़के और लड़कियों की फुटबाल टीम के चयन ट्रायल्स भी पूरे हो गए हैं। पहली बार स्वतंत्र रूप से सकारात्मक और प्रतिस्पर्धी माहौल में फेयर ट्रायल्स हुए हैं और जल्द टीम की घोषणा हो जाएगी।

बहादुरगढ़। अनिल खत्री के साथ हरियाणा ओलंपिक संघ के अध्यक्ष मीनू बेनीवाल व अन्य।

मीनू बेनीवाल ने बताया कि खेल संघों के विवादों की स्थिति में हरियाणा ओलंपिक संघ नियमों के तहत दखल देता है। जो खेल संगठन हरियाणा ओलंपिक संघ से एफिलिएटेड है, उसके विवाद की स्थिति में एडहॉक कमेटी का गठन सरकार की अनुमति से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विवाद की स्थिति में एडहॉक कमेटी के गठन की अंडरटेकिंग मान्यता के समय संबंधित एसोसिएशन देती है। एडहॉक कमेटी में अर्जुन अवार्डी, खेल शिक्षक-प्रशिक्षक और महिला प्रतिनिधि को भी शामिल किया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी होंगे तैयार

मीनू बेनीवाल ने बताया कि हरियाणा ओलंपिक संघ अब न केवल 2036 ओलंपिक के लिए बल्कि उससे पहले 2028 और 2032 ओलंपिक खेलों के मद्देनजर भी अपनी तैयारी कर रहा है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार करने पर फोकस किया जा रहा है। इस मौके पर हरियाणा बॉक्सिंग एसोसिएशन के महासचिव रविन्द्र पन्नू, सुनील खत्री, सुरेश जून, बलवान कादयान व सम्राट डागर भी मौजूद रहे।

चिकित्सक व अधिवक्ता से रंगदारी मांगने के सात आरोपी गिरफ्तार

झज्जर। पुलिस की अलग अलग टीमों द्वारा चिकित्सक और अधिवक्ता से फिरौती मांगने मामले में कार्रवाई करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि एक चिकित्सक से किसी शरारती तत्वों द्वारा फोन के माध्यम से अवैध रूप से पैसों की मांग की थी और पैसे ना देने पर उसे शारीरिक नुकसान पहुंचाने की भी धमकी दी गई थी। जिस संबंध में आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार मामला दर्ज किया गया। मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान मोहित और साहिल निवासी रिटोली और राकेश निवासी अकेहडी मदनपुर के तौर पर की गई है। पकड़े गए आरोपियों को अदालत में पेश कर पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड पर लिया गया है। वहीं एक अन्य मामले में अधिवक्ता से फिरौती मांगने मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान अक्षय और विशाल निवासी रिटोली, रविंद्र निवासी अहरी और मोनू निवासी डीघल के तौर पर की गई है। पकड़े गए चारों आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाई करते हुए स्थानीय अदालत में पेश किया गया। जहां से आरोपियों को अदालत के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

बामड़ोली में हुआ हरदीप का अभिनंदन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

वियतनाम में हुई अंडर-17 एशिया चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतकर लौटे हरदीप छिल्लर का गांव बामडोली के सुल्तान फार्म हाउस में नागरिक अभिनंदन किया गया। हिंद केसरी सोनू अखाड़े में अर्जुन अवॉर्डी कोच धर्मेंद्र दलाल से प्रशिक्षण ले रहे पहलवान हरदीप के अभिनंदन समारोह में सोनू पहलवान का भी स्वागत व सम्मान किया गया।

खेल प्रेमियों ने सराहा

छिल्लर-छिकारा और आसौदा बारह द्वारा आयोजित समारोह में जिला पार्षद रविंद्र छिल्लर बराही ने भी गोल्ड मेडल विजेता खिलाड़ी हरदीप छिल्लर का स्वागत व सम्मान किया। रविंद्र छिल्लर बराही ने 11 हजार रुपए के नोटों की माला पहनाकर हरदीप का सम्मान किया। उन्होंने हरदीप को आशीर्वाद दिया कि वह भविष्य में भी इसी तरह मेडल जीतकर बहादुरगढ़ का नाम राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन करता रहे। इस अवसर पर छिल्लर के प्रधान बलवान, छिकारा के प्रधान राजीव समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। हरदीप छिल्लर को सम्मानित करते रविंद्र छिल्लर बराही।

सीने में लगे पेस मेकर के हुई महिला की शिनाख्त, रोहतक की थी विमला

झज्जर। क्षेत्र के गांव बाकरा से गुजरने वाली लोहारू फीडर में मिले बुजुर्ग महिला के शव की शिनाख्त हो गई है। मृतका की पहचान रोहतक के सेक्टर-2 निवासी करीब 85 वर्षीया विमला पत्नी शादीलाल के तौर पर हुई है। विमला बीती दो जुलाई की सुबह करीब साढ़े दस बजे घर से निकली थी। उसी के बाद परिजनों द्वारा विमला की तलाश की जा रही थी। अस्पताल परिसर में मृतका के शव की शिनाख्त करने पहुंचे विमला के दामाद सुमित ने बताया कि बीती जनवरी माह में उनके बेटे का निधन हो गया था। जिसके बाद से मानसिक रूप से परेशान थी। एनडीआरएफ टीम सदस्यों द्वारा डीघल तक उसकी तलाश भी की गई थी लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया था। मामले के जांच अधिकारी जितेंद्र ने बताया कि चार जुलाई की देर शाम बुजुर्ग महिला का शव मिला था। उसकी शिनाख्त के लिए शव को आगामी 72 घंटे के लिए नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवाया गया था। मृतका के सीने में लगे पेस मेकर के माध्यम से परिजनों द्वारा शव की पहचान की गई है। मृतका के पौते भुवन के बयान पर इत्तिफाकिया कार्रवाई की है।

झज्जर। शव की पहचान के लिए अस्पताल परिसर में पहुंचे परिजन।

कारगिल शहीद रामफल काजला को दी श्रद्धांजलि

■ सोलधा के रामफल काजला के बलिदान दिवस पर त्रिवेणी पूर्व सैनिक संगठन ने किया नमन

बहादुरगढ़। कारगिल संघर्ष के दौरान शहीद हुए गांव सोलधा के रामफल काजला के बलिदान दिवस पर रविवार को उनके गांव में त्रिवेणी पूर्व सैनिक संगठन से जुड़े इलाके के पूर्व सैनिकों ने जुलूस निकालकर लोगों को देशभक्ति की प्रेरणा दी और शहीद रामफल के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने काह कि शहीदों के कारण ही आज देश की सीमाएं सुरक्षित है। उन्होंने इस मौके पर देशभक्ति के नारे भी लगाए। संगठन के संस्थापक धर्मवीर कादयान ने जुलूस का नेतृत्व किया। प्रधान श्रीनिवास छिकारा, सचिव उमेद सिंह दलाल, कप्तान अजीत, राजेंद्र, सूबेदार राकेश, जयभगवान, राजवीर, धनराज, हवलदार जग महेंद्र, नायक भूपेंद्र रोहिल्ला, श्रीभगवान व सतीश काजला ने भी शहीद रामफल काजला को श्रद्धांजलि अर्पित की।

लोहारू फीडर में मिले दो शव, पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपे

झज्जर। शनिवार सांय क्षेत्र के गांव बाकरा से गुजरने वाली लोहारू फीडर में मिले दो शवों की पहचान हो गई है। मृतकों में एक व्यक्ति की पहचान अमित सिंह पुत्र यशपाल सिंह निवासी गांधी नगर रोहतक तथा दूसरे व्यक्ति की पहचान लक्ष्मण सदा पुत्र चानू सदा निवासी छोटी बल्हा, वार्ड नंबर पांच, थाना मानसी जिला खगरिया, बिहार के तौर पर हुई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार लक्ष्मण भी फिलहाल रोहतक के बसंत विहार में रहता था और अमित के साथ उसकी दोस्ती थी। दोनों एक ही दिन लापता हुए थे। उन्होंने नहर में छलांग क्यों लगाई इस बात का खुलासा नहीं हो पाया। अमित के शव की पहचान उसकी मां राज रानी व बहन नरेंद्र कौर ने की जबकि लक्ष्मण सदा के शव की पहचान उसकी पत्नी पिंकी देवी ने की। मामले के जांच अधिकारी योमेश कुमार ने बताया कि उन्हें शनिवार की देर शाम लोहारू फीडर से दो लोगों के शव बरामद किए गए थे। शवों को स्थानीय नागरिक अस्पताल के शवगृह में शिनाख्त के लिए रखवाया गया था। अब परिजनों के पहुंचने पर शवों की पहचान की गई है। इस संबंध में परिजनों के बयान के आधार पर इत्तिफाकिया कार्रवाई अमल में लाई गई है। दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया।

झज्जर। नागरिक अस्पताल परिसर में पोस्टमार्टम के लिए कागजी कार्यवाई करते हुए पुलिसकर्मी।

मां का रो-रोकर बुरा हाल

अस्पताल परिसर में जब अमित के परिजन शव की पहचान करने पहुंचे तो पहचानने के बाद वैसे तो सभी परिजनों के चेहरे मायूस थे लेकिन अपने पुत्र के शव को देखकर उसकी मां राजरानी फफक कर रो पड़ी। अमित की बहन ने उन्हें ढाढंस बंधाते हुए कहा कि भगवान ने हमारा और उनका इतना ही साथ रखा था।

गोकुलधाम के चिकित्सकों ने आपरेशन कर नंदी के पेट से निकाला 40 किलो पॉलीथिन

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

गुरुग्राम रोड स्थित गोकुलधाम महातीर्थ संस्थान के चिकित्सकों ने शहरी क्षेत्र से गंभीर रूप से बीमार एक नंदी को रेस्क्यू करते हुए उसके पेट से करीब 40 किलोग्राम पॉलीथिन निकाल कर उसका सफल ऑप्रेशन किया है। गौकुल धाम के संचालक सुनील निमाणा ने बताया कि जब नंदी को रेस्क्यू करके गोकुल धाम हॉस्पिटल लाया गया तो उसकी हालत अत्यंत नाजुक थी। मेडिकल जांच में पाया गया कि नंदी को लीवर और किडनी में गहरा संक्रमण है।

नया जीवन दिया : उसके बाद नंदी को चिकित्सकों की निगरानी में विशेष चिकित्सा मुहैया कराई गई। इसके बाद चिकित्सकों ने रूमेनोटोमी सर्जरी का निर्णय लेते हुए ऑपरेशन के दौरान नंदी के पेट से करीब 40 किलोग्राम पॉलीथिन और प्लास्टिक कचरा निकाला गया। सर्जरी के बाद नंदी को नया जीवन मिला है।

झज्जर। गोकुलधाम महातीर्थ संस्थान में नंदी का आप्रेशन करते हुए चिकित्सक।

पॉलीथिन व प्लास्टिक कचरा खुले में न फेंकने की अपील

गौकुल धाम के संचालक सुनील निमाणा ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि घर का कचरा या खाद्य सामग्री पॉलीथिन के साथ खुले में न फेंके। बेसहारा गौवंश या अन्य पशु इसका सेवन करके बीमार हो सकते हैं। उन्हें स्वच्छ व सुरक्षित भोजन दें। उन्होंने कहा कि इस घटना से सबक लेते हुए लोगों को जागरुक होना चाहिए।

नवजात को कचरे में फेंकने वालों का नहीं लगा सुराग

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

■ फिलहाल सरकारी अस्पताल में भर्ती है मासूम

कचरे के ढेर में मासूम मिलने के मामले में स्थिति जस की तस है। एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी बच्चे के दोषियों का सुराग पुलिस नहीं लगा पाई है। वहीं, बच्चा फिलहाल नागरिक अस्पताल में भर्ती है। दरअसल, 28 जून की सुबह लाइनपार में नाहरा, नाहरी रोड पर स्थित एक प्लॉट में नवजात बच्चा पाया गया था।

डिलीवरी के तुरंत बाद बच्चे को मरने के लिए कचरे के ढेर में फेंका गया था। भूख प्यास से वह बिलखा तो किसी व्यक्ति की नजर उस तरफ गई और उसे संभाला सका। इस संबंध में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया और जांच शुरू की। तब पुलिस द्वारा कहा गया कि अस्पतालों से हाल फिलहाल में हुई डिलीवरी का रिकार्ड लेकर बच्चे की मां का पता लगाया जाएगा। आसपास सीसीटीवी फुटेज भी खंगाली जाएगी। लेकिन इस घटना को सप्ताहभर से अधिक समय बीत गया है लेकिन मामले में स्थिति जस की तस है।

बच्चे को फेंकने वालों का कुछ पता नहीं लग सका है। हालांकि बहादुरगढ़ इलाके में इससे पहले कई नवजात बच्चों के शव व भ्रूण मिल चुके हैं। उन मामलों में भी दावे महज फाइलों में सिमट कर रह गए। ऐसे में देखने वाली बात ये है कि आखिर इस केस में बच्चे को न्याय मिल पाएगा या फिर यह मामला भी फाइलों में दबकर रह जाएगा। उधर, बच्चा सरकारी अस्पताल में स्वस्थ है।

डीघल के पास वाहन की चपेट में आने से श्रमिक की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

क्षेत्र के गांव डीघल में अज्ञात वाहन की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान डीघल निवासी करीब 53 वर्षीय सत्यवान पुत्र हजारी के तौर पर हुई है। परिजनों को उसका शव डीघल टोल प्लाजा के नजदीक सड़क पर पड़ा मिला। मृतक के परिजनों ने बताया कि सत्यवान दिहाड़ी-मजदूरी का काम करता था तथा शनिवार की सुबह घर से निकला था। शाम को उन्हें उसकी मौत की सूचना मिली जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर परिजनों से मामले की जानकारी लेते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल पहुंचाया। मामले के जांच अधिकारी सतेंद्र सिंह ने बताया कि रविवार को शव का पोस्टमार्टम करा कर उसे परिजनों को सौंप दिया गया। इस संबंध में परिजनों के बयान पर आरोपी अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इस संबंध में पुलिस द्वारा नियमानुसार आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

कागजी कार्रवाई करते पुलिसकर्मी।

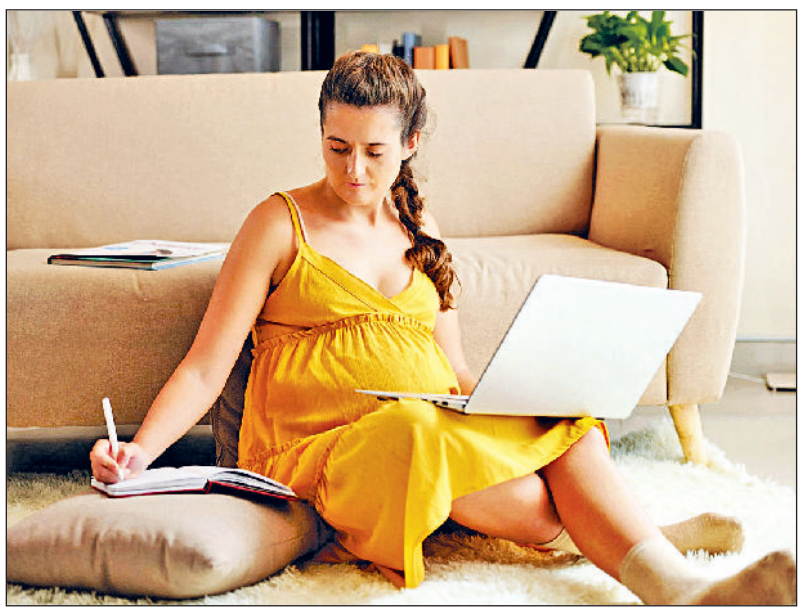

गतांक से आगे...

अभी तक आपने पढ़ा कि नवब्याहता दीप्ति मायके आई है तो सोच में डूबी, अपने में गुमसुम रहती है। ससुराल में पन्द्रह दिन रहकर ही वो जान गई कि वहाँ अभी बरसों-बरस तक उसकी स्थिति ऐसी रहने वाली है कि सभी की सेवा भी करनी है और सभी की डाँट भी खानी है। रहने-खाने के सहारे के बदले अपना सर्वस्व ससुराल वालों के चरणों में रखकर न चलेगी तो निभ न सकेगी।

अब आगे...

कहानी

इंदिरा दाँगी

भाग्य विधाता

नवजात रोती है और माँ लिखना रोककर उसे स्तनपान कराती है। सद्य प्रसूता माँ फिर पेपर लिखने लगी है। अब हिम्मत टूट रही है; माँ बीच-बीच में अपनी बेटी की ओर देखती जाती है। सहायिका दीदी की गोद में वो सो रही है। अंतिम उत्तर दीप्ति पूरे कर रही है। परीक्षक कह रही हैं कि वह कॉपी दे दे, समय पूरा हो रहा है। वो उत्तर लिख रही है। उसे अब नींद आ रही है।

अ दीप्ति ससुराल जाती ट्रेन में बैठी हज़ारों बातें सोचती है, मेरा भी उतना ही अधिकार है पापा की संपत्ति पर, जितना दोनों भाइयों का है लेकिन अम्मा दो-पांच हज़ार की विदाई देते कैसा मुँह बनाती हैं ! भाभियों की कौन कहे, वे पराए घर से आई हैं, जब जन्म देने वाली माँ ही पराया मानती है।"

सोचती जाती है और आँसू बहते जाते हैं। पति ने टोका,"ट्रेन में मत रोओ। सब देख रहे हैं। अच्छा, बताओ, विदाई कितने की मिली है ?"

शादी को एक साल हो चला। इस बीच एक बड़ा झगड़ा हुआ। सास वेणी एक शादी-समारोह में गई थी जहाँ बहू की बड़ी भाभी सुरेखा से भेंट हो गई। बातों-बातों में वेणी बोली,

"कानों में तो बड़े सुंदर झाले पहने हैं सुरेखा तुमने! पुराना सोना जान पड़ता है।"

"हाँ ! ये मेरी मम्मी ने दिए थे।"

"बहुओं से भर-भर के दहेज लिया और बेटी को देते अंटी न खुली !"

"ऐसा क्यों कहती हैं आंटी जी ? क्या कमी रखी है हमने? क्या नहीं दिया जो अब तक माँगती हैं ?"

सुरेखा की बात सुन वेणी तिलमिला उठी।

"हम ही क्यों बनवाएं उसके लिए जब मायके वाले इतना भी न दे सके ? अपनी बेटियों को मैंने दो-दो जोड़ी बुँदे, झुमकियाँ बनवा कर दी थीं !"

"क्या बात करती हैं? तोला भर सोने की झुमकियाँ बनवा कर दी थीं हमने विदाई में। दीप्ति दीदी ने बताया नहीं आपको ?"

"तोले भर सोने की झुमकियाँ ?"

सास के गुस्से का कोई पारा न रहा। घर आकर इतनी ऊँची आवाज में कलह किया कि पड़ोसी अपने-अपने फ्लैट्स के दरवाज़े खोलकर बाहर आ गए। ससुर रोकते जाते थे, बेटा रोकता जाता था लेकिन सास की आवाज़ आसमान तक बुलन्ध थी। लेकिन बहू एक चुप, हजार चुप !

'योगेश, अब या तो तेरी बहू उन तोले भर सोने की झुमकियों का हिसाब दे या निकल जाए इस घर से !"

"बताती क्यों नहीं, कहाँ हैं झुमकियाँ?" जब पति ही मारने को आगे बढ़ा तो दीप्ति ने मरी-मरी सी आवाज में कहा,

"खो गईं।"

"खो गईं ? तोले भर सोने की झुमकियाँ खो गईं? कैसे खो गईं ? क्या अपने पापा को दे आईं?"

योगेश मारता उसे अगर बीच में ससुर न आ गए होते। सास का गुस्सा महीनों शांत न हुआ। ननदें फोन करतीं तो वो बहू को सुना-सुना कर हज़ार बातें सुना देती उसके मायके वालों को।

दीप्ति से खूब काम लिया जाता। घर के कामों से फारिग होती तो बाहर के कामों की सूची तैयार रहती। जब से शादी हुई, घर में योगेश ने इधर की सींक उठाकर उधर न रखी थी। दीप्ति ही बाजार, सौदा-सुलफ सब करती। कभी पलंबर को बुलाती, कभी कबाड़ी को रद्दी तुलाती।

लेकिन इस सब के बीच, उसके मन में पढ़ाई की लगन लगी रहती। सास वेणी देखती और कुढ़ती। एक रात सास की नींद खुली तो देखा ड्राइंग रूम की बत्ती जल रही है। रात के ग्यारह बजे थे। बहू हॉल में दीवान पर बैठी कुछ लिख रही थी।

"अरे ! अब तक जागती हो ? सवेरे फिर योगेश का टिफिन बनाने में आलस करोगी। जाओ सो जाओ।"

"नहीं। मैं बना दूँगी सब समय पर।"

"लाइट बंद करो और जाओ। इधर की बत्ती जलती है तो मुझे अपने कमरे में नींद नहीं आती।"

"लेकिन, मैं तो हमेशा यहीं पढ़ती हूँ; अभी तक तो आपने कभी नहीं कहा ऐसा !"

"तो अब कह रही हूँ, ये बत्ती न जलाया करो।"

"तो रात को मैं कहाँ पढ़ूँ ? कमरे में टेबल लैम्प से भी इनकी नींद में खलल पड़ता है।"

बहू अपने आप से कहती चली गई और रसोई में बत्ती जलाकर फिर लिखने लगी। उस दिन से दीप्ति ने हॉल या रसोई में पढ़ना बंद कर दिया। फ्लैट में हॉल के अलावा दो ही तो कमरे थे। अब कहाँ पढ़े ? वो रात को बाथरूम में बैठकर नोट्स बनाती; और दिन में किताब खोले घर के कामकाज के बीच कुछ-कुछ याद करती रहती। कभी कलाई पर, कभी हथेली पर, कुछ उतार लेती और मन में दोहराया करती। बी.एड. के साथ-ही-साथ वो शिक्षक पात्रता परीक्षा की भी तैयारी कर रही है। सोचती, बी.एड. कर लेगी और अगले ही साल शिक्षक पात्रता परीक्षा भी पास कर लेगी तो सरकारी शिक्षक की नौकरी करने के योग्य हो जाएगी। छह महीने बाद,तीसरे सेमिस्टर की परीक्षा का रिजल्ट आया जिसमें दीप्ति ने अपने कॉलेज में दूसरा स्थान प्राप्त किया। गर्भवती हो गई थी तो भी स्कूटी चलाकर कॉलेज जाती रहती। गर्भावस्था के पूरे दिन चल रहे हैं; और बी.एड. अंतिम वर्ष के फाइनल सेमिस्टर की परीक्षाएं भी। हर दिन मनाती है, बस परीक्षा पूरी हो जाए तब डिलीवरी हो ! लेकिन ...जो भाग्य बदलने निकलते हैं, उन्हें सबसे पहले अपनेआप से लड़ना पड़ता है !

रात से हल्का-हल्का दर्द हो रहा था लेकिन वो सब कामकाज करती रही और साथ में किताब भी खोले रही। कल तीन बजे उसका आखिरी पर्चा है। लेकिन सुबह होते-न-होते दर्द की लहर काबू से बाहर हो गई। सास के साथ ऑटो से वो सरकारी अस्पताल पहुंची और आधे ही घंटे में उसकी डिलीवरी हो गई।

आगे एक घंटा तो दिमाग कुछ न जानता था। तंद्रा-सी थी। बस अपनी बेटी को सीने से चिपटाए आँखें बंद किए पड़ी रही। घंटे भर बाद, उसकी आँखें आधी खुलीं। सामने दीवार घड़ी दोपहर के बारह बजा रही है।

"मेरा पेपर है तीन बजे !"

"अब काये का पेपर ? अब इस लड़की को सम्हालो ! मैं घर जा रही हूँ; गुड़ बनाकर लाती हूँ। घर का खाना भी बनाना है। रात तक आ जाऊँगी या योगेश आ जाएगा सोने यहाँ। कल अपने मायके से बुला लो किसी को। अकेले मुझसे नहीं करते बनेगा सब।"और सास फोन लगाती हुई बाहर निकल गई।

"हाँ चंचल ! तुम बुआ बन गयीं! और क्या होना था! मैं तो पहले ही कहती थी, लड़की ही जनेगी!"

जाती हुई सास की बात दीप्ति के कानों में पड़ती है। वो सुनी-अनसुनी कर देती है। पति योगेश को किसी ने बताया है अथवा नहीं, दीप्ति को नहीं पता। उसने बेटी को निहारा, फिर घड़ी देखी।

-परीक्षा देनी है !

प्रसूता पुकारती है, "कोई है?"

कोई नहीं सुनता। उसने फिर अपनी ताकत जुटाकर पुकारा है, "कोई मदद कर दो !"

भाग्य द्वार तक आया, लेकिन भीतर नहीं। एक नर्स झाँककर पूछती है, "क्या बात है ? तुम्हारे साथ कोई नहीं? क्या कुछ खाने को चाहिए?"

"मेरा बी.एड. का पेपर है तीन बजे से। क्या गाड़ी मिल जायेगी एग्जाम सेंटर तक जाने के लिए ?"

नर्स अवाक उसे देखती रह गई। हज़ारों जचगी इस अस्पताल में देखीं-करवाईं, ऐसी जननी नहीं देखी !

वो निवेदन दोहराती है; नर्स क्या कहे !

"मैडम से पूछकर बताती हूँ।"

और नर्स डॉक्टर के सामने है।

"बिल्कुल नहीं! अभी घंटे भर पहले ही डिलेवरी हुई है। अब 24 घंटे तो बिस्तर से उठने की अनुमति नहीं दे सकते !"

नई डॉक्टर अपने कागज़ों में उलझी, उत्तर देकर इस बात को भूल जाती लेकिन ... कोई है जो लड़ रहा है भाग्य से ! ... भाग्य विधाता से !

"मैडम जी प्लीज !" सामने एक अधमरी-सी आवाज़ है।

डॉक्टर नज़र उठाकर देखती है।

"मेरा पेपर है बी.एड. का। फिर नहीं कर पाऊँगी। न फिर फीस भर पाऊँगी। प्लीज मुझे एग्जाम सेंटर तक पहुँचा दीजिए।"

दरवाज़े से टिकी सद्य प्रसूता अपनी नवजात को लिए किसी तरह खड़ी है। या तो वो खुद ही गिर जाने वाली है या उसकी गोद से नवजात खिसकी जाती है।

उसकी गंभीर हालत देख डॉक्टर चिल्लाती है, "तुम पागल हो क्या!"

जच्चा-बच्चा को वापस बेड तक पहुँचाया गया। बड़े डॉक्टर साहब से बात की गई। गाड़ी तो अस्पताल में कोई मौजूद थी नहीं। एक गाड़ी बाहर गई हुई है। समय रहते लौट आई तो कुछ हो सकता है। नई डॉक्टर मदद के लिए दूसरे अस्पताल फोन लगा रही है। गाड़ी की व्यवस्था होते-होते दो घंटे निकल गए। अस्पताल से एग्जाम सेंटर 35 किलोमीटर दूर है। गाड़ी में जच्चा-बच्चा को लिटाया गया और नर्स क्योंकि वैसे ही स्टाफ में कम हैं, वर्क लोड बहुत ज़्यादा। एक सफाईकर्मी दीदी को साथ कर दिया गया। वे चलीं तो नई डॉक्टर पीछे से देखती, अपने मित्र ट्रेनी डॉक्टर को फोन करती कहती है, "अभी पता है क्या हुआ ?"

... किसी की मदद कर, वो इस पल अपनी ही नज़रों में हीरो है !

एग्जाम सेंटर तक वे पहुँची हैं और सहायिका दीदी को नवजात दे, किसी तरह दीप्ति एग्जाम सेंटर के अंदर तक पहुँचती है। परीक्षा चालू हो चुकी है। सैकड़ों परीक्षार्थी परीक्षा दे रहे हैं। उसे देख चलते पेन रुक-रुक जा रहे हैं।

"सर! मैडम ! मेरे पास प्रवेश पत्र नहीं है लेकिन मुझे अपना रोल नंबर याद है। और आप तो मेरे पिछले पेपर में भी ड्यूटी पर थीं। प्लीज मुझे पेपर देने दीजिए। क्या मैं बहुत लेट हो गई हूँ ?"

वो पन्द्रह मिनट लेट हो चुकी है लेकिन उसे परीक्षा हॉल में प्रवेश करने दिया गया। उत्तर पुस्तिका और प्रश्न पत्र दिया गया। वो खड़े-खड़े ही किसी तरह उत्तर पुस्तिका पर लिखना शुरू करती है।

"बैठ कर लिख लो।" परीक्षक मैडम उससे कहती हैं।

"बैठ नहीं पाऊँगी। चार घंटे पहले डिलीवरी हुई है।"

"तो क्यों आईं परीक्षा देने ऐसे हाल में ? अपनी और इसकी जान को खतरे में डाल कर ?"

"जेवर बेचकर फीस भरी थी; छूट जाती पढ़ाई तो फिर नहीं कर पाती।"

परीक्षक उसे दो पल को देखती रहीं फिर केंद्र अध्यक्ष के कक्ष की ओर तेज़ कदमों से चली गईं। केंद्र अध्यक्ष ने सुना तो सन्नाटे में आ गए। कोई नरम बिस्तर या आरामदायक खटिया तो नहीं थी लेकिन एक तख्त का इंतजाम कर दिया गया, एक खाली पड़े कक्ष में।

आधे घंटे बाद, अपनी उत्तर पुस्तिका, प्रश्न पत्र, सहायिका और नवजात के साथ सद्य प्रसूता को उस कक्ष में तख्त तक पहुंचा दिया गया।

कोई तकिया नहीं। एक परीक्षक ने अपना पर्स दे दिया है जिसे सिरहाने लगाए, सद्य प्रसूता उत्तर पुस्तिका लिखने में लीन है। बीच-बीच में एग्जाम सेंटर के अन्य परीक्षक आ-आकर उसे देख जा रहे हैं। चार घंटे की डिलीवरी में एक परीक्षार्थी पेपर देने आई है !

बीच में, नवजात रोती है और माँ लिखना रोककर उसे स्तनपान कराती है। सद्य प्रसूता माँ फिर पेपर लिखने लगी है। अब हिम्मत टूट रही है; माँ बीच-बीच में अपनी बेटी की ओर देखती जाती है। सहायिका दीदी की गोद में वो सो रही है। अंतिम-अंतिम उत्तर दीप्ति पूरे कर रही है। परीक्षक कह रही हैं कि वह कॉपी दे दे, समय पूरा हो रहा है। वो उत्तर लिख रही है। उसे अब नींद आ रही है। (समाप्त)

लघुकथा

विकास यशकीर्ति

पांचवां बेटा

दौलत राम। तुम्हारे चार चार बेटे होते हुए भी आज ये नौबत आ गई कि तुम्हें अपना पुश्तैनी मकान गिरवी रखना पड़ रहा है।' सेठ हजारी प्रसाद दौलत राम के सामने प्रेनोट रखते हुए बोला। 'और सुना है - परदेस में अच्छा कमा रहे हैं।' चश्मे को नाक की नोंक पर रखकर हज़ारी प्रसाद ने दौलत राम को नंगी आंखों से घूरते हुए अपना व्यंग्य बाण चलाया। 'क्या करें, सेठ जी। सब के अपने अपने खर्चे हैं, अपनी अपनी जिम्मेवारियां हैं।' जग हंसाई से बचने के लिए अपने नालायक बेटों की छोटी-मोटी वकालत दौलतराम खुद ही कर लिया करता था। दौलत राम ने प्रनोट पर साइन करने के लिए जैसे ही पेन उठाया, उसके फोन पर एक मैसेज चमका ' रुपे फाइव लैक्स इन यूअर अकाउंट' दौलत राम फ़ोन में आए इस मैसेज की गहराई को परत दर परत खोलने लगा। तभी एक टेक्स्ट मैसेज और फ्लैश हुआ।

' क्या सिर्फ कहने के लिए बेटा कहते थे, पापा ?'

इस बार दौलतराम ने देखा, मैसेज नेहा बिटिया का था जिसके दो साल पहले उसने हाथ पीले कर दिए थे। दौलतराम हैरानी के साथ फोन को निःशब्द होकर देखता रहा। 'किसका मैसेज है दौलत राम ?' हजारी प्रसाद ने दौलत राम की तंद्रा भंग की। दौलत राम की आंखों में नमी थी। 'कौन है ? ' सेठ फिर चिल्लाया। 'पांचवा बेटा' सिर्फ ये दो शब्द बोलकर दौलतराम कांपता हुआ उठा और प्रनोट वापस हजारीप्रसाद को देकर आंखे पौंछता हुआ बाहर चला गया।

कविता

पं. कमल कांत भारद्वाज

ज़माने की कशमकश

मुझे लगता है ज़माने की कशमकश में
मैं अकेला तो नहीं हूँ
इस कशमकश में कल कोई और था
आने वाले कल में कोई और होगा
ज़माने की कशमकश में
मै अकेला तो नहीं हूँ

जो दिखता है ख़ुश ज़िंदगी में
क्या पता, वो भी परेशान हो जिंदगी में
मुझे मेरे ही ग़म लगते हैं ज्यादा
क्या पता, नहीं दिख रहे
उसके ग़म हो मुझसे भी ज्यादा

दर-ब-दर भटकता रहा मैं
हर एक कदम पे ख़ुद से लड़ता रहा मैं
एक नई उम्मीद की तलाश में
अपनों से दूर चला गया मैं
ज़माने की इस काशमकश में

जीवन है ही संघर्षों का मेला
सब लगे हैं जिंदगी की कशमकश में
आज मैं हूँ, कल तुम
फिर कोई और होगा
ज़माने की इस कशमकश में
मुझे लगता है मैं अकेला तो नहीं हूँ
जमाने की इस कशमकश में

कविता

प्रज्ञा गांधी

वो लड़की

परियों जैसी है वो लड़की
भोली और शैतान बड़ी
समझदार भी है कितनी
और कितनी नादान भी
उसकी आंखें देखी मैंने
आंखों से बातें करती है
कितनी प्यारी लगती है
जब हिरण सी चलती है
सुनहरी जुल्फें हैं उसकी
प्यारी प्यारी बातें हैं उसकी
कितनी मासूम है वो
और हजारों उसकी शरारतें हैं
छोटी छोटी बातों पर भी
वो खुश हो जाती है
छोटी छोटी बातों पर ही
आंसू भी वो भरती है
पर, सपने हैं उसके बड़े
आसमां में उड़ना चाहती है
स्वाभिमान के लिए
आत्मसम्मान के लिए
और कुछ कर गुजर जाने के लिए
जिद बड़ी है उसकी
बाती बनकर जलने की
रोशनी फैलाने की
परियों जैसी वो लड़की
भोली और शैतान भी

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

वरिष्ठ साहित्यकार एवं लेखक नीरु मित्तल का मानना है कि आज के आधुनिक युग में भी साहित्य गतिशील है और गद्य हो या पद्य, दोनों विधाओं में ही नवीन शैलियों का विकास हो रहा है। लघुकथा, लघुकविता, नवगीत जैसी विधाएं अपने उत्कर्ष की ओर अग्रसर हैं। छायावाद से आगे हम प्रयोगवाद पर आ गए हैं। साहित्य पर सामाजिक, राजनीतिक चेतनाओं का गहरा प्रभाव पड़ा है।

साक्षात्कार

ओ.पी. पाल

साहित्य और समाज एक-दूसरे के बिना अधूरे: डॉ. नीरू मित्तल

सा हित्य के क्षेत्र में कविता, गजल, कहानी, व्यंग्य, लघुकथा, लेख निबंध, समीक्षा जैसी विधाओं का मानवीय एवं सामाजिक सरोकार के लिए काफी महत्व है। इन्हीं मूल्यों को लेकर साहित्यकार एवं लेखक साहित्य सृजन करने में जुटे हैं, जिसमें लेखकों का मकसद समाज को नई दिशा और सकारात्मक विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए अपनी संस्कृति, सभ्यता और परंपराओं जुड़े रहने का संदेश देना है। लेखिका एवं साहित्यकार डॉ. नीरू मित्तल अपनी ऐसी ही लेखन विधाओं के माध्यम से हरियाणवी संस्कृति के संवर्धन एवं सामाजिक उत्थान के लिए साहित्य साधना करती आ रही हैं। अपने साहित्यिक सफर को लेकर डॉ. नीरू मित्तल 'नीर' ने कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर किया, जिसमें समाज और साहित्य एक दूसरे के बिना जीवंत नहीं रह सकते।

वरिष्ठ महिला साहित्यकार डॉ. नीरू मित्तल का जन्म 26 जून 1958 को अजमेर (राजस्थान) में हरिश चन्द्र गुप्ता और दम्यंती देवी गुप्ता के घर में हुआ। परिवार में कोई भी साहित्य माहौल नहीं था लेकिन उन्हें बचपन में ही तुकबंदियां करते हुए कुछ न कुछ लिखने में अभिरुचि हुई। स्कूल में भी वे कविताएं सुनाती और उनकी लिखी कविताएं स्कूल और कॉलेज की मैगजीन में प्रकाशित होने लगी, तो उनके पिताजी ने बहुत प्रोत्साहित करना शुरु कर दिया। उनके लेखन की शुरुआत कविताओं से हुई, लेकिन वह जल्द ही कहानियां भी लिखने लगी। जब वह कॉलेज में पढ़ रही थी, तो उनकी रचनाएं आकाशवाणी पर प्रसारित होने लगी और पिता अजमेर से रिकार्डिंग के लिए आकाशवाणी केंद्र जयपुर ले जाते थे। बकौल डॉ. नीरू मित्तल, साल 1981 में उनकी जयपुर में बैंक ऑफ बडौदा में नौकरी लग गई। इसके बाद साल 1984 में उनका विवाह हरियाणा के पंचकूला में हुआ। इस वजह से उन्होंने अपना स्थानांतरण पंचकूला की बैंक शाखा में करा लिया और यहीं से वह सेवानिवृत्त हुई। हालांकि शादी के बाद वह अपनी बैंकिंग की नौकरी, परिवार और बच्चों में अत्यधिक व्यस्त हो गई और लेखन बहुत सीमित रह गया। लेकिन इस दौरान भी वह नराकास के कार्यक्रमों में भाग लेती रही और पुरस्कार जीतती रही। बच्चे जब कॉलेज में चले गए और उन्हें कुछ समय मिलने लगा तो साहित्य के प्रति लगाव पुनः जागृत हो गया और उन्होंने हरियाणवी संस्कृति के संवर्धन एवं सामाजिक उत्थान के लिए साहित्य सृजन को नई दिशा दी। उनकी रचनाओं का फोकस मुख्य रूप से समाज में व्याप्त विडंबनाओं, कुंठाओं बेबसी, आक्रोश, अनेक विषमताएं और लोगों की जिजीविषा जैसे सामाजिक सरोकार के मुद्दे और समस्याओं पर रहा है, इन्हीं पर उनकी कलम सक्रिय रही, जिसमें नारी विमर्श भी उनके लेखन में स्वतः ही झांकने लगा। बकौल नीरु मित्तल, साहित्य के अलावा उन्हें गायन और नृत्य का भी शौक रहा है। वह अपने हम उम्र साथियों के लिए नृत्य कोरियोग्राफ भी करती हैं। जहां वे कहानी, लघुकथा, लेख निबंध, कविता, साक्षात्कार, समीक्षा, व्यंग्य, यात्रा संस्मरण, समीक्षा और साक्षात्कार ज जैसी विधाओं में साहित्य संवर्धन करने में जुटी हैं, वहीं वह योगा शिक्षिका भी रही और सामाजिक गतिविधियों में भी वे बढ़ चढ़कर हिस्सा लेती हैं। उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों में आयोजित कवि सम्मेलनों में काव्य पाठ भी किये हैं।

उन्हें देश के वरिष्ठ साहित्यकारों व रचनाकारों का सानिध्य मिला है। उनकी रचनाएं देश ही नहीं विदेश के पत्र-पत्रिकाओं में भी प्रकाशित होती रही हैं। चंडीगढ़ दूरदर्शन केंद्र और आकाशवाणी केंद्र जयपुर से समय-समय पर उनकी कविताओं व रचनाओं का प्रसारण तो हो ही रहा है, वहीं रेडियो 'अपना विनीपेग' कनाडा और 'जस टीवी' कनाडा पर भी उनके साहित्यिक काव्य पाठ कार्यक्रम और साक्षात्कार प्रस्तुत हुए हैं। कई विदेशी मंचों जैसे 'रूट्स टू हिंदी काव्यांजलि' शिकागो, 'निर्मल रोशन मंच' न्यूयॉर्क, 'महिला काव्य मंच' इंडोनेशिया पर भी वे अपनी कविताएं प्रस्तुत कर चुकी हैं। यहाँ वह यह बात अवश्य कहना चाहती हैं कि विदेश में बैठे भारतीय अपनी संस्कृति, अपनी भाषा और अपने देश से कहीं गहराई से जुड़े हुए हैं। वह उनकी निष्ठा और समर्पण को नमन करती हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

डॉ. नीरू मित्तल की प्रकाशित पुस्तकों में काव्य संग्रह-अनकहे शब्द, शब्दों की परछाइयाँ, चट्टान पर खिले फूल, पंचतत्त्व और मैं, कहानी संग्रह-रिश्तों की डोर, कोहरे से झाँकती धूप, लघुकथा संग्रह-तिनका तिनका मन, प्रतिबिम्बों की अनंत यात्रा, बाल साहित्य-मेरे वर्णमाला गीत, छू लो आसमान प्रमुख रूप से पाठकों के सामने हैं। उन्होंने खुशियाँ लौटेंगी, सुनहरी यादों के झरोखों से नामक पुस्तकों का संपादन भी किया। वहीं पंजाबी रचनाओं का अन्य भाषाओं में अनुवाद भी किया है।

डॉ. नीरू मित्तल

पुरस्कार व सम्मान

लेखिका डॉ. नीरू मित्तल को हरियाणा साहित्य गौरव सम्मान, बाल सहित्य सम्मान, डॉ कैलाश अहलूवालिया स्मृति सम्मान पुरस्कार, डॉ. श्यामसुंदर व्यास स्मृति सम्मान, काव्य मंजरी वागीश्वरी सम्मान, काव्य मंजरी वागीश्वरी सम्मान, काव्य शिरोमणि सम्मान, स्मृति साहित्य सम्मान, संस्कृति संवाहक पुरस्कार, शब्द निष्ठा सम्मान, लघुकथा सेवी सम्मान, साहित्य सारथी सम्मान और मां भारती साहित्य के सम्मान जैसे अनेक पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : डॉ. नीरू मित्तल 'नीर'
जन्मतिथि : 26 जून 1958
जन्म स्थान : अजमेर(राजस्थान)
वर्तमान निवास : पंचकूला (हरियाणा)
शिक्षा : एम. कॉम, सी.ए.आई.आई.बी
संप्रति : बैंकिंग सेवा से निवृत, साहित्यकार, कथाकार, कवयित्री, योग शिक्षिका

सामाजिक उपयोगिता का कविता संग्रह 'मैं पेड़ हूँ'

पुस्तक : मैं पेड़ हूं
लेखिका : अर्चना कोचर
मूल्य : 250 रुपये
प्रकाशक : इंडिया नेट बुक, नोएडा

पुस्तक समीक्षा

डॉ. ज्ञानप्रकाश 'पीयूष'

सा हित्य लेखन एवं समाज सेवा में संलग्न, अनेक साहित्यिक संस्थाओं से सम्मानित, सुप्रतिष्ठित साहित्यकार अर्चना कोचर किसी परिचय की मोहताज नहीं।

' मैं पेड़ हूँ' लघुकविता-संग्रह इनकी सद्य प्रकाशित पुस्तक है, जो भाव सौंदर्य एवं शिल्प सौष्ठव की दृष्टि से बहुत प्रभावशाली है। यह पुस्तक विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधों को आधार बनाकर दस-दस पंक्तियों के मुक्त छंद में सृजित की गई हैं तथा उनके औषधीय गुणों, सामाजिक उपयोगिता एवं पौराणिक उपादेयता को दृष्टिगत रखते हुए प्रांजल भाषा में व्यंजित की गई हैं। रुद्राक्ष, पीपल,कदम्ब, अशोक बरगद, अक्षय वट के साथ चंदन, देवदार, चीड़,नीम, सागवान,पलाश, अमलतास गुलमोहर, शीशम, सफेदा, बबूल, आदि छायादार एवं सहजता से उपलब्ध पेड़ों के महत्व को भी प्रतिपादित किया गया है तथा आँवला, आम अनार,अमरुद, सेब,जामुन, नारियल, अंजीर,सुपारी, जायफल, नींबू, केला, बादाम, अखरोट, काजू ,खुबानी, पिस्ता, चिलगोजा, आलू बुखारा, आदि फलदार वृक्षों पर भी सारगर्भित लघुकविताओं का सृजन किया गया है जो अत्यंत श्लाघनीय है। ये कवयित्री के अद्भुत रचना कौशल, साहस, परिश्रम एवं जुनून को प्रतिपादित करता है। इनके अतिरिक्त मखाना, पान बनारस वाला, आल स्पाइस,केसर, तुलसी,आक, शमी, सप्तपर्णी, लता मंजरी जैसे अनेक पेड़-पौधों को भी कलमबद्ध किया गया है जो कवयित्री की आन्तरिक प्रतिभा,अध्यवसाय, एवं सृजन क्षमता को रेखांकित करती हैं। 'नारियल का पेड़' लघु कविता एक बिम्बात्मक चित्र द्रष्टव्य है- खाने को फल, तंदुरुस्ती के लिए पानी/ दूध-मलाई की, कल्पवृक्ष ने लिखी कहानी/ सुख समृद्धि में, श्री हरि विष्णु, लक्ष्मी का कृपानिधानी/ त्रिदेव के त्रिनयन, श्रीफल की इष्ट अर्पण बानी है/ पवित्र कलश में विराजित/ मंगल कार्यों में श्रीगणेश/ हवन की पूर्णाहुति, नवरात्र, कन्या पूजन में विशेष/ जन्म पूजन में नारियल, कफन में चढ़ता यह विनेश है /नारियल का तेल केश निखार/त्वचा की मसाज है/ ताड़- शराब, कठोर खोल,चारकोल/ इसका अंग-अंग कीमती/ लोगों का इलाज है। इसकी भाषा अत्यंत सरल एवं शैली सरस व सारगर्भित है। यह कृति हर दृष्टि से उपादेय है और अर्चना कोचर की सकारात्मक सोच एवं आशावादी दृष्टिकोण की परिचायक है। उत्कृष्ट कृति के लिए कवयित्री को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

खबर संक्षेप

वाहन हटाने को सीएससी सेंटर पर करें आवेदन

झज्जर। एडीसी जगनिवास ने कहा कि जो लोग परिवार पहचान पत्र में दर्ज वाहन की जानकारी को निर्धारित प्रक्रिया के तहत हटवाना चाहते हैं। ऐसे मामलों में नागरिक एडीसी कार्यालय में आने के बजाए अपने नजदीक किसी भी मान्यता प्राप्त सीएससी से ऑनलाइन आवेदन करें। निर्धारित ऑनलाइन आवेदन के बाद स्वतः कुछ समय बाद वाहन पीपीपी से हट जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा पीपीपी संबंधित कार्यों के लिए बहादुरगढ़, बादली, माछरौली, बेरी, साल्हावास, मातनहेल, झज्जर जिला मुख्यालय के बीडीपीओ कार्यालयों में जेड क्रीम कार्यालय स्थापित किए गए हैं।

वित्तीय समावेशन अभियान के तहत आज लगेंगे कैंप

झज्जर। जिले में विशेष वित्त संतृप्ति अभियान के तहत सोमवार को बादली उपमंडल के गांव पेलपा, बहादुरगढ़ उपमंडल के गांव लडरावन और मातनहेल ब्लॉक के गांव कड़ोधा में कैंप आयोजित किए जाएंगे। इनमें से कड़ोधा गांव में कैंप का आयोजन सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक, पेलपा में पंजाब नेशनल बैंक व लडरावन गांवों में एसबीआई द्वारा किया जाएगा। आगामी तीन महीनों में जिले में प्रत्येक गांव में चरणबद्ध रूप से शिविर आयोजित किए जाएंगे। लीड बैंक अधिकारी विजय सिंह ने बताया कि सामाजिक सुरक्षा बीमा योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जन-धन योजना जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ कैंपों के जरिये ग्रामीणों को दिया जाएगा।

बहादुरगढ़। चौगान माता मंदिर में पूजा अर्चना करते स्थानीय निवासी।

चौगान माता पर हुआ जागरण और भंडारा

बहादुरगढ़। शहर के वार्ड नंबर-24 में चौगान माता रानी स्थल पर भव्य जागरण व भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें भजन, कीर्तन व धार्मिक गीतों के माध्यम से माता रानी की महिमा का गुणगान किया गया। इसमें दिनेश, दीपक, कृष्ण, विक्रम, हीरा, जतिन, संदीप, रितेश, सोमबीर आदि ने खास भूमिका निभाई। यशपाल हिंदुस्तानी ने कहा कि माता रानी की भक्ति से शक्ति, साहस और सुख-शांति मिलती है।

कॉपीराइट एक्ट के तहत आरोपी काबू

कुंड। थाना खोल पुलिस ने कॉपीराइट एक्ट के तहत आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कंपनी प्रतिनिधि की शिकायत के आधार पर केस दर्ज किया था। उसकी दुकान से कंपनी के नकली उत्पाद पकड़े गए थे। रेड पड़ने पर आरोपी मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने इस मामले में राजस्थान के बालपुरा निवासी जितेंद्र उर्फ जीतू को गिरफ्तार कर लिया।

भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती मनाई

देश की एकता, अखंडता और प्रगति के लिए समर्पित रहा मुखर्जी का जीवन

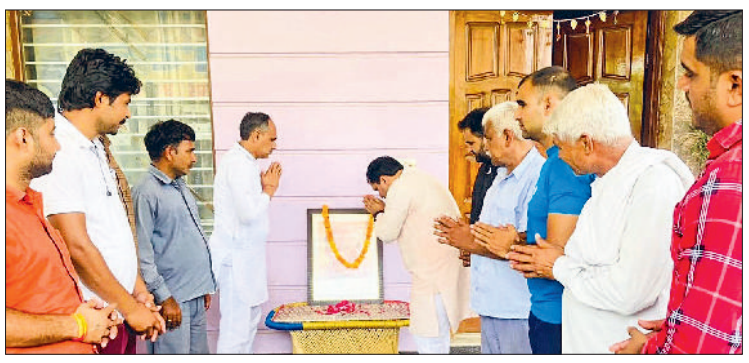

बहादुरगढ़। सेक्टर-2 कार्यालय में मुखर्जी को श्रद्धांजलि देते नवीन बंटी व युवा कार्यकर्ता।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष नवीन बंटी ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को जयंती पर सेक्टर-2 स्थित कार्यालय पर कार्यकर्ताओं के साथ उन्हें नमन किया। उनके अनुसार मुखर्जी का जीवन देश की एकता, अखंडता और प्रगति के लिए समर्पित रहा। उनकी दूरदर्शी सोच और राष्ट्रवादी विचारधारा सदैव ही देश के नागरिकों का मार्गदर्शन करती रहेगी। मोदी व नायब सरकार उनके दिखाए रास्ते पर चल रही है।

मुखर्जी के सपनों को साकार करने में जुटे पीएम मोदी व मुख्यमंत्री सैनी: डॉ पंकज जैन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

- वे सत्ता के माध्यम से अंत्योदय की भावना के तहत आमजन की भलाई कर रहे हैं

भाजपा जिला उपाध्यक्ष डॉ पंकज जैन ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को जयंती पर नमन किया। उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित करते उनके द्वारा दिखाए गए राष्ट्र सेवा के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। डॉ पंकज जैन ने कहा कि मुखर्जी के सपनों को साकार करने में पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम नायब सैनी जुटे हुए हैं। वे सत्ता के माध्यम से अंत्योदय की भावना के तहत आमजन की भलाई कर रहे हैं।

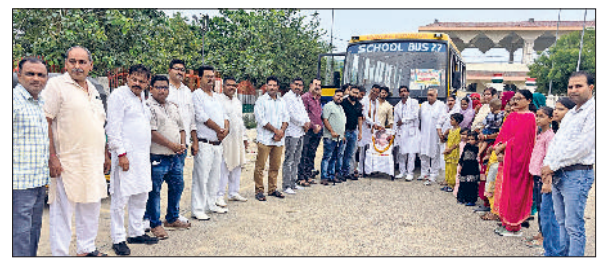

बहादुरगढ़। श्यामा प्रसाद मुखर्जी को नमन करते भाजपाई। फोटो: हरिभूमि

भाजपा मंडल अध्यक्ष ने किया मुखर्जी को नमन

बहादुरगढ़। भाजपा बहादुरगढ़ मंडलअध्यक्ष संजय सैनी के कार्यालय पर भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। पूर्व चेयरमैन कर्मवीर राठी, मंडल महामंत्री रमेश आर्य और सुशासन प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष रामकंवार सैनी ने मुखर्जी के जीवन पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर रमेश राठी, आशु सैनी, धर्मेंद्र, संदीप सैनी, संजीत राठी, प्रमिला जून, शारदा देवी, सविता पंवार, सचिन सैनी, इंदु, संतोष सोलंकी, रमेश कुमार, सूरज जाटव आदि उपस्थित रहे।

छिल्लर ने किया मुखर्जी को नमन

बहादुरगढ़। जिला पार्षद रविंद्र छिल्लर बराही ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को जयंती पर नमन किया। साथ ही राष्ट्र सेवा के पथ पर चलने का संकल्प लिया। उनके अनुसार मोदी व नायब सरकार कल्याणकारी नीतियों के माध्यम से आमजन की भलाई और देश सेवा कर रही है। मुखर्जी की दूरगामी सोच व उनके दिखाए राष्ट्र सेवा के मूल मंत्रों के कारण भारत विकास के मार्ग पर अग्रसर है। उन्होंने भारत की एकता और प्रगति के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।

युवाओं को नशे के प्रति जागरूक किया

बहादुरगढ़। यातायात थाना प्रभारी महेश कुमार की ओर से रविवार को शहीद ब्रिगेडियर होशियार सिंह मेट्रो स्टेशन के नजदीक जागरूकता मुहिम चलाई। इस दौरान युवाओं को नशे, साइबर क्राइम और यातायात नियमों के प्रति सचेत किया गया। इंस्पेक्टर महेश कुमार ने कहा कि नशा हमें सामाजिक, आर्थिक, शारीरिक और मानसिक रूप से नुकसान पहुंचाता है। इसके अलावा नशे के कारण आपराधिक वारदात भी बढ़ती हैं। इसलिए नशे से दूर रहें। अपनी उर्जा को पढ़ाई, खेल तथा अन्य सकारात्मक कार्यों में लगाएं। यातायात के नियमों का पालन करें। वहीं इंटरनेट मोबाइल का प्रयोग करते वक्त सतर्क रहें। सतर्क रहकर ठगी की वारदातों से बचा जा सकता है।

मंगलवार से शुरू होगी बावल से चंडीगढ़ की बस सेवा

बावल। बावल क्षेत्र के लोगों की मांग पर मंगलवार से बावल से चंडीगढ़ तक रोडवेज बस सेवा शुरू की जाएगी। हरियाणा राज्य परिवहन की बस को मंजूरी दिलाने में विधायक डा. कृष्ण कुमार की अहम भूमिका रही।

मंगलवार 8 जुलाई को विधायक डा. कृष्ण कुमार सुबह 4:30 बजे बस को हरी झंडी दिखाकर चंडीगढ़ के लिए रवाना करेंगे। चंडीगढ़ से इस बस की वापसी शाम 4:30 बजे होगी। विधायक ने बताया कि खंड खोल के गांव कोलाना से जयपुर तक बस सेवा भी शीघ्र ही शुरू की जाएगी। बावल क्षेत्र के लोगों ने विधायक का आभार जताया है।

पुलिस की टीम डोर टू डोर जाकर कर रही जागरूक

झज्जर। जिला पुलिस ने नशे के दुष्प्रभाव के प्रति आमजन को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाया हुआ है। इसी कड़ी में रविवार को एएसआई राखी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने शहर के वार्ड नंबर 12 और गांव भदाना में आमजन को नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक किया। उन्होंने बताया कि नशा एक अभिशाप है। हमें इससे बचना चाहिए और अगर हमारे आसपास में कोई नशा करता है तो हमें उसको समझना चाहिए अगर वह फिर भी नशा नहीं छोड़ता तो उसकी जानकारी पुलिस को दें। पुलिस द्वारा ऐसे व्यक्तियों का नागरिक अस्पताल में उपचार करवाया जाता है। उन्होंने कहा कि समाज को नशा मुक्त बनाने में पुलिस का सहयोग करें। अगर कोई व्यक्ति आपके आसपास क्षेत्र में नशा बेचता है तो उसकी सूचना पुलिस को दें। सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम और पता गुप्त रखा जाएगा।

बहादुरगढ़। महामंडलेश्वर के साथ महोत्सव को लेकर चर्चा करते अशोक राठी।

श्रद्धा और उत्साह से मनेगा गुरु पूर्णिमा महोत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

परनाला रोड स्थित वेदांत आश्रम में श्री गुरु पूर्णिमा महोत्सव व श्रावण मासीय शिवानुष्ठान का आयोजन किया जाएगा। आगामी दस जुलाई से इसकी शुरुआत होगी।

भाजपा संत व डेरा समन्वय विभाग के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अशोक राठी ने बताया कि महामंडलेश्वर स्वामी देवेंद्रानंद गिरी महाराज की अध्यक्षता में यह महोत्सव होगा। दस जुलाई को हवन के साथ गुरु पूजा महोत्सव की शुरुआत होगी। इस दिन हवन, संकीर्तन, प्रवचन होंगे। संतों का स्वागत किया जाएगा। इसके बाद 11 जुलाई से 9 अगस्त तक रोजाना शिवाभिषेक, पूजन आरती होगी। फिर 29 जुलाई को नागपंचमी व काल सर्पयोग पूजन होगा। वहीं इससे पहले 23 जुलाई महाशिवरात्रि पूजन आरती होगी। आगामी 9 अगस्त को रक्षा बंधन तथा दस अगस्त को सुंदर कांठ पाठ, भंडारा तथा शिवानुष्ठान का समापन होगा।

हड़ताल को सफल बनाने पर मंथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

- भाजपा सरकार ने मौजूदा 29 श्रम क़ानूनों को रद्द करने और चार लेबर कोड लागू करने की घोषणा की है

मजदूर कल्याण मंच के कार्यकर्ताओं तथा समर्थकों ने रविवार को ताऊ देवीलाल पार्क में बैठक की। बैठक में केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर प्रस्तावित देशव्यापी हड़ताल को सफल बनाने पर मंथन किया गया। जिला कमेटी सदस्य रामकिशन ने बताया कि भाजपा सरकार ने मौजूदा 29 श्रम क़ानूनों को रद्द करने और चार लेबर कोड लागू करने की घोषणा की है। इसके तहत वर्षों के संघर्ष के बाद प्राप्त सभी अधिकारों को सरकार छीनने जा रही है और मालिकों को मज़दूरों की महनत के लूटने की इजाज़त दे रही है। जिला कमेटी सचिव सतीश कुमार ने कहा कि हम हायर एंड फायर नीति लागू करने, काम के घंटों में बढ़ोतरी करने, न्यूनतम वेतन 26000 लागू न करने, स्कीम वर्करों को नियमित न करने, बीपीएल परिवारों को मिलने वाले सरसों के तेल की कीमतों में ढाई गुना वृद्धि करने, बेरोजगारों को रोजगार न देने, पुरानी पेंशन बहाल न करने, बिजली रेट बढ़ाने, रेल भाड़ा वृद्धि, भवन निर्माण में लगे मजदूरों का रजिस्ट्रेशन करने में नाजायज शर्तें लगाने, शिक्षा का निजी करण व स्कूलों को बंद करने की नीति के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। इन मांगों को लेकर होने वाली हड़ताल में हम जरूर भाग लेंगे। मजदूर नेता लालजी ने मज़दूरों तथा देश के तमाम मेहनतकश लोगों से इस हड़ताल को सफल बनाने की अपील की।

इन्होंने लिया भाग

इस अभियान में संजीवन, विजय सोलधा, राजेश पाठक, जगतराम, दलीप कुमार, आंचल राजपूत, ज्योतिझा, अभिषेक और हरिओम राजपूत इत्यादि ने भाग लिया।

बहादुरगढ़। बैठक में मौजूद विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी। फोटो: हरिभूमि

रामायण प्रश्नोत्तरी कराएगा रक्षादल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बच्चों व युवाओं को सनातन संस्कृति से जोड़ने के लिए बहादुरगढ़ इलाके में रामायण संबंधित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता को लेकर रविवार को भगवान परशुराम धर्मशाला में विभिन्न संगठनों की मीटिंग हुई। मीटिंग में प्रतियोगिता की रूपरेखा तैयार की गई।

मीटिंग में सनातन रक्षा दल, बजरंग वाहिनी, पं. श्रीराम शर्मा मंच के प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखे। मास्टर प्रवीण, नागेंद्र लाकड़ा, अश्वनी कुमार, सुशील भारद्वाज, कांता दलाल, राकेश शर्मा, विनोद शर्मा व अन्य ने एक मत से आगामी सात सितंबर को रामायण आधारित प्रश्नोत्तरी आयोजित कराने का निर्णय लिया।

करवाना होगा रजिस्ट्रेशन: तीन आयु वर्गों में दो से तीन स्थानों पर यह प्रतियोगिता होगी और विजेता पुरस्कृत किए जाएंगे। इसके लिए रजिस्ट्रेशन कराना होगा। इसमें 9 से 18 वर्ष के बच्चे भाग ले सकेंगे।

बहादुरगढ़। सीएम से शिकायत करते आजाद व जसबीर।

संपत्ति सर्टिफिकेट नहीं मिलने पर मुख्यमंत्री से की शिकायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

- आजाद वाल्मीकि और जसबीर सैनी ने की शिकायत

हरिनगर निवासी आजाद बाल्मीकि ने पूर्व पार्षद जसबीर सैनी के साथ सीएम नायब सैनी से मुलाकात कर लालडोरे की संपत्ति का सर्टिफिकेट नहीं मिलने की शिकायत की। उन्होंने कहा कि वे पिछले एक साल से नगरपरिषद के चक्कर लगा रहे हैं। कभी दस्तावेज पूरे नहीं होने, तो कभी कुछ ऑब्जेक्शन लगाकर उन्हें सर्टिफिकेट से वंचित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ अधिकारी जान-बूझकर लोगों को परेशान कर रहे हैं।

रामगढ़-भगवानपुर अस्पताल बनाओ संघर्ष कमेटी का धरना रहा जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रामगढ़-भगवानपुर अस्पताल बनाओ संघर्ष कमेटी की ओर से सरकारी अस्पताल बनाने की मांग को लेकर चल रहा अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन रविवार को 20वें दिन भी जारी रहा। धरने पर रामगढ़ भगवानपुर सहित क्षेत्र के आसपास के गांव बुड़ानी, बुड़ाना, फिदेडी, हांसाका, बालियर खुर्द, फदनी, गोकुलपुर, कुंभावास, तुर्कियावास, खटावली व मीरपुर गांवों के सैकड़ों ग्रामीण व महिलाएं शामिल रहे।

इस मौके पर संघर्ष कमेटी के वक्ताओं ने कहा कि महापंचायत में जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को ज्ञापन भेजा गया था। उन्होंने कहा कि भगवानपुर गांव ने शहर के जलघर के लिए 10 एकड़ जमीन दी है, इसलिए सरकार अपने केंद्रीय राज्यमंत्री के वादे को पूरा करने के लिए 200 बेड का अस्पताल गांव में खोले, तब ही सरकार का सबका साथ, सबका विश्वास, सबका विकास का नारा सार्थक होगा। वक्ताओं ने कहा कि राव इन्द्रजीत सिंह का यह कहना कि रामगढ़ भगवानपुर के 40 फीसदी लोगों ने उन्हें वोट नहीं दिया। उनकी यह सोच संविधान की समानता व बराबरी की मूल भावना के खिलाफ है। केंद्रीय मंत्री को ग्रामीणों के साथ किया वादा निभाना चाहिए। वक्ताओं ने कहा कि ग्रामीण अपनी मांग पर अड़गि है और झुकने के लिए तैयार नहीं है। सरकार गांव में ही सरकारी अस्पताल का निर्माण करें। रविवार को पवन कुमार राठौड़ शांति कुंज अनाथ आश्रम मोड़ी ने धरना स्थल पर पहुंच कर ग्रामीणों को अपना समर्थन दिया।

धरने पर अनिल कुमार सरपंच प्रतिनिधि भगवानपुर, लालसिंह, कॉमरेड रमेशचन्द्र, रविन्द्र, उदयराज राव नंबरदार, रामकुमार, मोहर सिंह, महीपाल सिंह, शेरसिंह, शीशपाल, करतार, मनोज अन्ना, सुधीर कुमार, सतीश सरपंच, कंवर सिंह फोरमैन,अनिल सरपंच गोकुलपुर, पवन शर्मा, रवि दहिया, दिनेश सैनी, रामचन्द्र सैनी, राजकुमार सैनी आदि मौजूद रहे।

पेस संस्थान में इस वर्ष के होनहार विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

- विजय परेड समारोह में जिला परिषद के चेयरमैन कप्तान बिरधाना मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

पेस संस्थान में इस वर्ष में हासिल हुई विशेष उपलब्धियों के उपलक्ष्य में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। ग्रुप के डायरेक्टर जय विकास ने बताया कि इस वर्ष उनके संस्थान से आईआईटी में हर्ष पुनिया, निधि, अंशुल, कोम, हरित कादियान, एनईईटी में कृष, कोमल, नैंसी, कंचन, तन्नु, सिमरन, शिवांशी, देव, भूमिका तथा एम्स नर्सिंग में महक, ईशा, भावना, नैन्सी, नीलाक्षी और भूमिका का चयन हुआ है। विजय परेड समारोह में जिला परिषद के चेयरमैन कप्तान बिरधाना मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि पहले शहर के बच्चे कोचिंग लेने के लिए कोटा और सीकर जाते थे लेकिन पेस आने से अब यहीं कोचिंग लेते हुए आईआईटी और नीट जैसे क्षेत्र में विशेष परिणाम दे रहे हैं।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर नरेंद्र चावला, सुरेंद्र नांदल, गीतांशु चावला, पेस ग्रुप के चेयरमैन युद्धवीर, जय विकास, प्रबंध निदेशक सुमित चावला, संदीप, हरीश, डॉक्टर मोहित, अश्वनी सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। विजेता विद्यार्थियों के साथ मंच पर उपस्थित मुख्यातिथि एवं संस्थान पदाधिकारी।

खबर संक्षेप

कल्पना को छूने दो आसमान थीम पर चित्रकला प्रतियोगिता शुरू

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग द्वारा स्कूली विद्यार्थियों की रचनात्मकता एवं कल्पनाशीलता को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने जिले के अध्यापकों से आह्वान किया कि इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करें। वहीं डीआईपीआरओ सतीश कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता को दो श्रेणियों में विभाजित किया गया है। प्रथम श्रेणी 6 से 10 वर्ष आयु वर्ग की है। जिसका विषय स्टोरी टेलिंग पर आधारित पेंटिंग रहेगा व द्वितीय श्रेणी 11 से 16 वर्ष आयु वर्ग का है। जिसका विषय माई विजन पर आधारित पेंटिंग रहेगा। यह आयोजन आगामी 12 अगस्त को सेक्टर-पांच स्थित यवनिका गार्डन, पंचकूला में होगा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक श्रेणी में आकर्षक पुरस्कार दिए जाएंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 21 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है।

स्वप्निल रविंद्र पाटिल, डीसी

रहणिया कालोनी की गली में जलभराव से लोग बेहाल, प्रशासन नहीं ले रहा सुध

झज्जर। गली में हुए जलभराव को दिखाते हुए कालोनी निवासी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

शहर की रहणिया कालोनी में नालियों की सफाई न होने के कारण गंदा पानी सड़क पर फैलने से लोगों को परेशानी हो रही है। कालोनी निवासियों का कहना है कि उनकी गली में पिछले करीब चार-माह से यह समस्या है। नालियों व नालों की साफ-सफाई न होने के कारण गंदा पानी ओवरफ्लो होकर गली में जमा हो जाता है जिस कारण राहगीरों को परेशानी आती है। पेयजल सप्लाई आने के दौरान यह दूर तक फैल जाता है जिस कारण लोगों का निकला मुश्किल हो जाता है। उन्होंने पानी से गुजरने के लिए बिछाई गई इंटों के ऊपर से होकर जाना पड़ता है। कालोनी निवासी हरपाल, ज्ञानचंद, जैकी, विनोद, नरेश, सुनील, रघुबीर, सोनू, बिल्लू, सागर, शिवराज आदि ने बताया कि ऐसे में बच्चों को स्कूल जाते समय भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। वे स्कूल जाने वाले छोटे बच्चों को जहां गोद में उठा कर गली पार कराने को मजबूर हैं वहीं ईंटों से गुजरते समय बच्चों के गिरने का खतरा भी बना रहता है। कालोनी वासियों के अनुसार वे इस संबंध में संबंधित वार्ड पार्षद को भी समस्या से अवगत करा चुके हैं लेकिन कोई समाधान नहीं हो पाया। उन्होंने जिला प्रशासन से गुहार लगाई है कि समस्या का शीघ्र समाधान किया जाए।

चमनपुरा के ग्रामीणों ने लगाई हरिजन चौपाल के जीर्णोद्धार की गुहार

झज्जर। चमनपुरा गांव की वर्षों पुरानी हरिजन चौपाल।

- सरपंचों पर चौपाल का काम रोकने का आरोप लगाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

क्षेत्र के गांव चमनपुरा स्थित वर्षों पुरानी हरिजन चौपाल की जर्जर हालत के कारण लोगों द्वारा जिला प्रशासन से उसकी सुध लेने की गुहार लगाई गई है। लोगों का कहना है कि करीब चालीस वर्ष पहले बनी इस चौपाल की हालत अब खस्ता हो चुकी है। गांव निवासी धन सिंह, महेंद्र सिंह, प्रदीप रंगा, धर्मपाल, जिले सिंह, अधिवक्ता चंचल रंगा, अधिवक्ता पवन राव आदि ने बताया कि इस दौरान कई सरपंच बदल चुके हैं वहीं कई बार सरकार द्वारा चौपाल की मरम्मत के लिए ग्रांट भी भेजी जा चुकी है लेकिन अभी तक किसी भी पंचायत प्रतिनिधि ने इसके जीर्णोद्धार की जहमत नहीं उठाई। वे इस संबंध में कई बार ग्राम सरपंच, संबंधित अधिकारियों व डीसी को भी अवगत करा चुके हैं लेकिन उनकी इस समस्या का समाधान नहीं हुआ। ग्रामीणों की माने तो उन्होंने कुछ माह पहले अपने स्तर पर चंदा एकत्रित करके इस चौपाल के निर्माण बीड़ा भी उठाया था। निर्माण के लिए ईंटें, सरिया, गेट आदि भी मंगवा लिए थे लेकिन सरपंच द्वारा चौपाल का कार्य कराने से रोक दिया गया।

छत से आए दिन गिर रहा मलबा : ग्रामीणों के अनुसार वीरान हुई इस चौपाल में चार दीवारी न होने तथा सड़क के साथ लगने के कारण यहां बेसहारा पशुओं व बच्चों आदि का भी आवागमन रहता है। चौपाल की जर्जर हालत के चलते आए दिन छत से मलबा गिरता रहता है जिस कारण उनके भी चोटिल होने का खतरा बना है। अभी पिछले दिनों आई बरसात में भी छत से काफी मलबा नीचे गिर गया था।

बहादुरगढ़। पार्क में हुई गोष्ठी में अपनी रचनाएं सुनाते कवि। फोटो : हरिभूमि

विवेकानंद पार्क में हुई काव्य गोष्ठी

मंच संचालन कृष्ण गोपाल ने किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

कलमवीर विचार मंच द्वारा रविवार को सेक्टर-9 ए स्थित विवेकानंद पार्क में पावस काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। अखिल भारतीय साहित्य परिषद के जिलाध्यक्ष विरेंद्र कौशिक व कलम की ताकत साहित्यिक संस्थान के प्रदेशाध्यक्ष जगबीर कौशिक के सानिध्य में हुए इस कार्यक्रम का मंच संचालन गीतकार कृष्ण गोपाल विद्यार्थी ने किया।

सुदेश संदूजा की मातृवंदना से शुरू हुए इस काव्योत्सव में ओमेक्स सिटी निवासी वेद भारती व अर्चना झा ने जहां अपने मुक्तकों से समां बांध दिया। वहीं सांखोल निवासी मोहित कौशिक ने हिंदी, हरियाणवी व पंजाबी में लिखी रचनाओं से सभी को मंत्रमुग्ध किया। वीर मूवीज से जुड़े विरेन्द्र कौशिक ने श्रंगार रस की ग़ज़ल सुनाने के अलावा हरियाणवी संस्कृति को समर्पित रचना सुनाकर युवाओं को सार्थक संदेश दिया। लोककवि जगबीर कौशिक ने फौजी का खत के माध्यम से सीमा पर तैनात भारतीय सैनिक के मनोभावों का सुंदर चित्रण किया। देश के कई हिस्सों में आई बाढ़ पर आधारित कृष्ण गोपाल विद्यार्थी की ग़ज़ल के साथ इस काव्योत्सव का समापन हुआ। इस अवसर पर चंद्रशेखर, अमरजीत ढुल, कृष्ण, प्रदीप व माइकल आदि भी उपस्थित रहे।

लवकुश लीग फुटबॉल लीग में खेले गए 21 मुकाबले

अंडर-10 में इंडस आयरन ने भापड़ोदा को 3-1 से अंतर से हराया

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

गांव लोवा खुर्द में चल रही लव कुश फुटबॉल लीग में रविवार को 21 मुकाबले खेले गए। मुकाबलों का शुभारंभ कोच जयवीर व रितु रानी ने किया। अंडर-10 में इंडस आयरन ने भापड़ोदा को 3-1, दुल्हेड़ा ने सिटी बहादुरगढ़ को 1-0, दुल्हेड़ा बी ने खेड़ी जट को 2-0 से हराया। वहीं, भापड़ोदा ने दुल्हेड़ा को 4-0, लोवा खुर्द स्पोर्ट्स क्लब स्टार ने खेडीजट को 3-0, सिटी बहादुरगढ़ ने दुल्हेड़ा B को 6-1 के अंतर से मात दी। अंडर-12 में इंडीज सोल ने सिटी बहादुरगढ़ को 3-0 से हराया।

लोवा खुर्द स्पोर्ट्स क्लब स्टार ने दुल्हेड़ा को 1-0, इंड्स ड्रीमर ने एलेक्सी को 5-0, खेडी जट ने एलकेएससी जी को 2-1, भापड़ोदा ने एलकेएससी को 4-1 और सिटी बहादुरगढ़ ने इंड्स काइट को 5-0 से परास्त किया। भापड़ोदा और इंड्स काइट तथा लोवा खुर्द स्टार व इंड्स स्ट्रोम्स का 1- 1 से ड्रॉ रहा। अंडर-14 में दुल्हेड़ा ने इंड्स डव को 4-1, लोवा खुर्द स्पोर्ट्स क्लब ने भापड़ोदा को 2-0, दुल्हेड़ा ने सिटी बहादुरगढ़ को 4-0, इंड्स सन ने बाबा भोला टीम को 6-1, भापड़ोदा ने बाबा भोला टीम को 4-2 तथा सिटी बहादुरगढ़ ने लोवा खुर्द स्पोर्ट्स क्लब स्टार को 5-0 से हराया। मैच रेफरी की भूमिका में प्रदीप, टीनू, निखिल, आकाश, श्लोक, तनी व नमन आदि रहे। कोच सुदर्शन ने बताया कि जुलाई महीने के अंतिम सप्ताह में फाइनल होगा। इस मौके पर कमेटी प्रधान नरेश, बीजे, लाला मास्टर, विक्की मास्टर, विपिन, बबलू, प्रदीप कोच, पराग, चिराग, संदीप, कोच विनय, कोच सूर्या आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। एक दूसरे से फुटबॉल लेने का प्रयास करते खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

शहीद रामफल की याद में कबड्डी प्रतियोगिता

विधायक राजेश जून ने महिला कबड्डी खिलाड़ियों को किया प्रोत्साहित

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

गांव सोलधा में रविवार को कारगिल शहीद रामफल काजला की याद में महिला नेशनल स्टाइल कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें शिरकत करते हुए विधायक राजेश जून ने शहीद रामफल काजला को श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए उनका सम्मान किया। रविवार को सोलधा गांव के राजकीय स्कूल में हुई प्रतियोगिता में राजस्थान, उत्तर प्रदेश सहित 42 कबड्डी टीमों ने हिस्सा लिया। बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे विधायक राजेश जून का सरपंच प्रतिनिधि प्रदीप काजला समेत सभी ग्रामीणों ने जोरदार स्वागत किया। कारगिल शहीद रामफल काजला के पुत्र ने स्मृति चिह्न भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। विधायक राजेश जून ने महिला कबड्डी प्रतियोगिता में खिलाड़ियों से परिचय लेते हुए कहा कि हार या जीत खेल का एक पहलू होता है। खिलाड़ी बेहतर खेल प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम को जिताने का काम करे। प्रशिक्षण लेकर खुद को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी व अपनी टीम को सर्वश्रेष्ठ साबित करने का प्रयास करें। राजेश जून के अनुसार जवान और किसान के साथ खिलाड़ी भी हरियाणा की शान हैं। उन्होंने कबड्डी प्रतियोगिता के आयोजन पर ग्राम पंचायत तथा कारगिल शहीद रामपाल काजला के परिजनों की सराहना की। साथ ही अपनी तरफ से आयोजकों को 11 हजार रुपए की धनराशि का सहयोग किया। इसके उपरांत विधायक राजेश जून ने वियतनाम से अंडर-17 एशिया चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतकर गांव बामडोली लौटे हरदीप छिल्लर के अभिनंदन समारोह में शिरकत की। उन्होंने 11 हजार रुपए के नोटों की माला पहनाकर हरदीप को भविष्य में भी इसी प्रकार मेडल जीतने का आशीर्वाद दिया।

बहादुरगढ़। सोलधा में हुई प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों के साथ विधायक राजेश जून। फोटो : हरिभूमि

ट्रेफिक बूथ बनवाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से भगत सिंह मैत्री संस्था ने रेलवे रोड स्थित वेस्ट जुआं ड्रेन चौक पर ट्रेफिक बूथ का निर्माण करवाया है। संस्था के अध्यक्ष प्रदीप यादव ने बताया कि शहर के व्यस्ततम चौराहों में शुमार इस जगह पर अक्सर ट्रेफिक जाम और अव्यवस्था की स्थिति बनी रहती है। ऐसे में यह बूथ ट्रेफिक पुलिस को बेहतर तरीके से ड्यूटी निभाने में मदद करेगा। यह बूथ बनने से पुलिसकर्मी मौसम की मार से भी बचेंगे। स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों ने इस पहल का स्वागत किया है। इससे चौराहे पर यातायात पहले की तुलना में अधिक सुचारू रहेगा। संस्था के सदस्यों ने आमजन से ट्रेफिक नियमों का पालन करने और व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करने की अपील की।

बहादुरगढ़। रेलवे रोड चौक पर लगवाया गया ट्रेफिक बूथ।

आज से शुरू होगी राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

- एचएल सिटी की चैंपियंस एक्वेटिक एकेडमी में प्रदेशभर से करीब 1200 तैराक आएंगे

सोमवार 7 जुलाई से शहर की एचएल सिटी स्थित चैंपियंस एक्वेटिक एकेडमी में 42वीं सब जूनियर, 52वीं जूनियर और 60वीं सीनियर राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता शुरू हो रही है। इस दौरान हरियाणा तैराकी संघ के प्रधान एवं सांसद धर्मबीर सिंह, राजस्व मंत्री विपुल गोयल, पंचायत मंत्री कृष्णलाल पंवार, हरियाणा ओलंपिक संघ के अध्यक्ष मीनू बेनीवाल मुख्यातिथि के तौर पर मौजूद रहेंगे। हरियाणा तैराकी संघ के महासचिव अनिल खत्री ने बताया कि प्रतियोगिता का शुभारंभ 7 जुलाई और समापन 12 जुलाई को होगा। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह प्रतियोगिता के समापन पर तैराकों को आशीर्वाद देने के लिए आएंगे। प्रतियोगिता में सब जूनियर को चार ग्रुप्स में बांटा गया है। ग्रुप 3 में 11 से 12 साल, ग्रुप 4 में 9 से 10 साल, ग्रुप 5 में 7 से 8 साल और ग्रुप 6 में 6 साल और उससे कम उम्र के तैराक भाग ले पाएंगे। वहीं जूनियर को दो ग्रुप्स में बांटा गया है। ग्रुप 1 में 15 से 17 साल और ग्रुप 2 में 13 से 14 साल तक के तैराक भाग ले पाएंगे। सीनियर ग्रुप में 17 साल से ऊपर के तैराक भाग ले सकते हैं। अनिल खत्री ने बताया कि 6 दिनों तक चलने वाली प्रतियोगिता में प्रदेश के सभी जिलों से करीब 1200 लड़के और लड़कियां भाग लेंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले तैराकों का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन जरूरी है। प्रतियोगिता लेटेस्ट फिना नियमो के तहत करवाई जाएगी। एक तैराक 5 व्यक्तिगत इवेंट्स में भाग ले सकता है। प्रतियोगिता के हर ग्रुप, सीनियर मैन और वूमेंस कैटेगरी में बेस्ट स्विमर का चयन भी किया जाएगा। प्रतियोगिता में तैराक फ्री स्टाइल, बैकस्ट्रोक, ब्रेस्टस्ट्रोक, बटरफ्लाई और आईएम इवेंट्स में भाग ले सकेंगे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

सैन्य सम्मान के साथ दी गई वारेंट ऑफिसर मोतीलाल राठी को विदाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

भारतीय एयरफोर्स में वारेंट ऑफिसर रहे मोतीलाल राठी का हृदय गति रुकने से देहांत हो गया। रविवार को गांव सांखोल में वायु सेना के अधिकारियों, जवानों ने उनको सलामी दी और सैन्य सम्मान के साथ उनको अंतिम विदाई दी गई। स्व. मोतीलाल राठी का जन्म सांखोल गांव में 20 सितंबर 1969 को हुआ था। करीब 19 वर्ष की आयु में वह 30 सितंबर 1988 को भारतीय वायुसेना में भर्ती हुए। वारेंट ऑफिसर मोतीलाल राठी की फिलहाल हिंडन गाजियाबाद स्थित एयर फोर्स स्टेशन पर पोस्टिंग थी। बीते कुछ दिनों से वह छुट्टी पर आए हुए थे। शनिवार की देर शाम को अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। परिजन उनको बहादुरगढ़ के एक निजी अस्पताल में ले गए। जहां ईलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके देहांत से गांव में गमगीन माहौल है। वायुसेना के अधिकारी व कर्मचारियों की एक टीम रविवार को गांव सांखोल में पहुंची। जवानों ने उन्हें अंतिम सलामी दी और सैन्य सम्मान के साथ गमगीन माहौल में उनका दाह संस्कार हुआ। भारत माता की जय और स्व. मोतीलाल राठी अमर रहे के नारों के बीच पुत्र रवि राठी ने उनको मुखाग्नि दी। स्व. मोतीराम राठी अपने पीछे पत्नी, पुत्र, पुत्री, पुत्र वधु, पौत्र व पौत्री सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनकी अंत्येष्टि के मौके पर गांव के काफी लोग मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। स्व. मोतीलाल राठी का फाइल फोटो तथा स्व. मोतीलाल राठी को श्रद्धांजलि देती वायुसेना की टीम।

- भारत माता की जय और स्व. मोतीलाल राठी अमर रहे के नारों के बीच दी विदाई

बहादुरगढ़। गोरैया ग्रीन बेल्ट में पौधे लगाते पर्यावरण प्रेमी। फोटो : हरिभूमि

400 पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

क्लीन एंड ग्रीन ट्रस्ट व संघर्षशील जनकल्याण सेवा समिति सांखोल की ओर से रविवार की सुबह गोरैया ग्रीन बेल्ट में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। लोगों ने लगभग 400 पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। पिछले कई दिन से इस कार्यक्रम की तैयारियां चल रही थी। इस कार्यक्रम की खास बात रही कि बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों ने भी पौधारोपण में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बच्चों में इस अभियान को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला, वहीं बुजुर्गों ने इसे अपनी जिम्मेदारी मानते हुए पर्यावरण को बचाने की प्रेरणा दी। पर्यावरण प्रेमियों ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य सिर्फ पौधे लगाना नहीं, बल्कि लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना और भविष्य की पीढ़ियों के लिए स्वच्छ व हरित वातावरण तैयार करना है। फॉरेस्ट डिपार्टमेंट से रेंज ऑफिसर श्रीभगवान ढाका टीम सहित इस अभियान का हिस्सा बने। वहीं एल एंड टी कंपनी के डीजीएम योगेश निरंजन, दुर्गेश पवार, हरीभरी सोसाइटी नांगलोई, सार्थक सेवा समिति, लायंस क्लब, संत निरंकारी भवन सांखोल, उड़ान सेवा समिति, आरडब्ल्यूए सेक्टर 6, 2 व 13, जन जागरण समिति सहित विभिन्न संस्थाओं से जुड़े लोगों ने सक्रिय भागीदारी की। बता दें कि दोनों गोरैया टूरिज्म कॉम्प्लेक्स के साथ लगती यह जमीन लंबे समय से बदहाल थी।